Regarding need to provide funds and technical assistance under PM Kisan Sampada Yojana to set up food processing industries in Shahjahanpur district, Uttar Pradesh- laid

श्री अरुण कुमार सागर (शाहजहाँपुर) : मैं सरकार के संज्ञान में लाना चाहूंगा कि उ०प्र० राज्य के शाहजहांपुर संसदीय क्षेत्र में आलू, गेहूँ, धान और गन्ने की खेती बड़े पैमाने पर होती है. जो इसे खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के लिए आदर्श बनाता है। खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना से स्थानीय किसानों को उनकी उपज के लिए बेहतर मूल्य और बाजार तक पहुँच मिल सकती है। वर्तमान में. ऐसी इकाइयों की कमी के कारण किसानों को कम कीमत पर उपज बेचनी पड़ती है, जिससे उनकी आय प्रभावित होती है और उपज का बड़ा हिस्सा बर्बाद हो जाता है। यह आर्थिक नुकसान का प्रमुख कारण है।

आलू (जैसे चिप्स, स्टार्च), गेहूँ (जैसे आटा, बिस्किट) और गन्ना (जैसे चीनी, गुड़, इथेनॉल) आधारित उत्पाद स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन और आर्थिक विकास को बढ़ावा दे सकते हैं। खाद्य प्रसंस्करण उद्योग बेरोजगारी और पलायन की समस्या को कम करने में मदद कर सकता है, खासकर युवाओं और महिलाओं के लिए। इसके लिए प्रशिक्षण केंद्र और कौशल विकास कार्यक्रम शुरू किए जाने चाहिए, जो स्थानीय लोगों को उद्यमिता के अवसर प्रदान करें।

मेरा सरकार से अनुरोध है कि शाहजहाँपुर जनपद में खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना के लिए प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना के तहत त्वरित धनराशि और तकनीकी सहायता दी जाए। कोल्ड स्टोरेज, पैकेजिंग इकाइयों और विपणन केंद्र स्थापित किए जाएँ। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए विशेष योजनाएँ लागू की जाएँ। एक संयुक्त समिति बनाई जाए, जो परियोजनाओं की प्रगति की निगरानी करे और समयबद्ध कार्यान्वयन सुनिश्चित करे।